

भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 25 जुलाई, 2026

जारी करने का समय: 1315 घंटे

विषय: (i) उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल के तट पर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के असर से, 25 से 28 तारीख के बीच ओडिशा में कहीं-कहीं भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। 25 और 26 जुलाई, 2026 को कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की भी संभावना है।

(ii) दक्षिण-पश्चिम राजस्थान पर बने कम दबाव वाले क्षेत्र के कारण, 25 जुलाई, 2026 को गुजरात राज्य में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

आज, 25 जुलाई, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में हुआ मौसम:

- ❖ गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश (≥ 30 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र और झारखंड में बहुत भारी बारिश (12-20 cm) दर्ज की गई है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, कोंकण और गोवा, ओडिशा, तटीय कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में भारी बारिश (7-11 cm) दर्ज की गई है।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध I और II):

- ❖ समुद्र मानसून ट्रफ़ (monsoon trough) सक्रिय है और निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर अपनी सामान्य स्थिति से दक्षिण की ओर है।
- ❖ दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना कल का कम दबाव क्षेत्र पश्चिम की ओर बढ़ा और आज, 25 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान और उसके आस-पास के इलाकों में स्थित था।
- ❖ उत्तरी गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और उससे सटे बांग्लादेश के ऊपर साइक्लोनिक सर्कुलेशन के असर से, आज सुबह 05:30 बजे (IST) उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल-उत्तरी ओडिशा तटों पर कम दबाव का क्षेत्र बना; आज, 25 जुलाई 2026 को सुबह 08:30 बजे (IST) यह उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी और उससे सटे पश्चिम बंगाल तट पर स्थित था। इसके अगले 2-3 दिनों तक उसी क्षेत्र में बने रहने और और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है।
- ❖ ऊपर बताए गए दो कम दबाव वाले क्षेत्रों से जुड़े साइक्लोनिक सर्कुलेशन के साथ एक पूर्व-पश्चिम शियर ज़ोन (shear zone) है, जो मध्य भारत में निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर लगभग 24°N अक्षांश (Lat.) के साथ-साथ चल रहा है।
- ❖ मध्यम और ऊपरी ट्रोपोस्फेरिक वेस्टर्लीज़ में ट्रफ़ के रूप में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस, जिसकी धुरी समुद्र तल से 5.8 किमी ऊपर है, अब लगभग 72°E देशांतर के साथ-साथ 30°N अक्षांश के उत्तर में चल रहा है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के असर से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर पश्चिम भारत:

- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद और उत्तराखंड में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 25 जुलाई को और 28-31 जुलाई के दौरान पंजाब में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 28-31 जुलाई के दौरान हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली और पश्चिम उत्तर प्रदेश; 27-31 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 25 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान; 30-31 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान।
- ❖ 26-27 जुलाई के दौरान पंजाब में छिटपुट से लेकर छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 25-27 जुलाई के दौरान हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली और पश्चिम उत्तर प्रदेश; 25-26 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 26-31 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान; 25-29 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान।
- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में छिटपुट आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे से लेकर 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है।
- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान उत्तराखंड में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना; 27-29 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश; 26-28 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 25-26 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान; पूर्वी राजस्थान 25 जुलाई और 28-31 जुलाई के दौरान।
- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 25-27 जुलाई के दौरान और 31 जुलाई को हिमाचल प्रदेश; 25-26 जुलाई के दौरान और 30-31 जुलाई के दौरान उत्तराखंड; पंजाब 25 जुलाई, 27 जुलाई और 30-31 जुलाई के दौरान; 27 जुलाई को और 30-31 जुलाई के दौरान हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली; 27 जुलाई को पश्चिमी उत्तर प्रदेश और 31 जुलाई को; 29-31 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 26 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान; 28-31 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और 28-30 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और पश्चिम उत्तर प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 27-29 जुलाई के दौरान उत्तराखंड; 28-29 जुलाई के दौरान हरियाणा चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब; 27-28 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश; 25 जुलाई को पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान।

मध्य भारत:

- ❖ 25-27 जुलाई के दौरान और 31 जुलाई को पश्चिमी मध्य प्रदेश में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; विदर्भ 26 जुलाई।
- ❖ 28-30 जुलाई के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 25-31 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़ और पूर्वी मध्य प्रदेश; 25 जुलाई को विदर्भ और 27-31 जुलाई के दौरान।
- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिम मध्य प्रदेश में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 28-31 जुलाई के दौरान पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 26-31 जुलाई के दौरान पूर्वी मध्य प्रदेश; 29-31 जुलाई के दौरान विदर्भ; 25 जुलाई को छत्तीसगढ़ और 28-31 जुलाई के दौरान छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में काफी व्यापक से व्यापक वर्षा होने की संभावना है; 27-31 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; 28-31 जुलाई के दौरान बिहार।
- ❖ 25-26 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है; 25-27 जुलाई के दौरान बिहार।

- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में छिटपुट आंधी, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटे से लेकर 60 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 25-27 जुलाई के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल, 25-29 जुलाई के दौरान झारखंड और ओडिशा में तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे से 50 किमी प्रति घंटे तक की गति) चलने की संभावना है; 25-31 जुलाई के दौरान बिहार।
- ❖ 25-26 जुलाई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट आंधी और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 27-31 जुलाई के दौरान बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है; 26-27 जुलाई के दौरान गंगीय पश्चिम बंगाल; 25-28 जुलाई के दौरान झारखंड; 25-26 जुलाई के दौरान ओडिशा और 29-31 जुलाई के दौरान 25 जुलाई को गंगीय पश्चिम बंगाल में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है; 27-28 जुलाई के दौरान ओडिशा।
- ❖ 25 और 26 जुलाई को ओडिशा में कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ अलग-अलग जगहों पर बहुत ज़्यादा बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 25-26 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27-31 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश और असम व मेघालय में; और 25-31 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25-27 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; और 25-29 जुलाई के दौरान असम व मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम व त्रिपुरा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 26-31 जुलाई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 25-29 जुलाई के दौरान असम व मेघालय में; 25-31 जुलाई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है; साथ ही 30-31 जुलाई के दौरान असम व मेघालय में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश भी हो सकती है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 25-31 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में; 26 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में; 25-27 जुलाई और 31 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में; 25-27 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 25 जुलाई और 27-31 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में; 25-31 जुलाई के दौरान मराठवाड़ा में; 28-30 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र में; 28-31 जुलाई के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27-29 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; 25-27 जुलाई के दौरान गुजरात क्षेत्र और सौराष्ट्र व कच्छ में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 27-31 जुलाई के दौरान कोंकण और गोवा में; 25-26 जुलाई और 28-31 जुलाई के दौरान मध्य महाराष्ट्र में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। गुजरात क्षेत्र में 25, 27 और 30 जुलाई को; सौराष्ट्र और कच्छ में 25 और 27 जुलाई को; साथ ही कोंकण और गोवा में 25-26 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है; मध्य महाराष्ट्र में 27 जुलाई को; गुजरात क्षेत्र में 26 और 31 जुलाई को; सौराष्ट्र और कच्छ में 26 जुलाई को।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में 25 और 26 तारीख को; गुजरात राज्य में 25 जुलाई को कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और तेलंगाना में 25-31 जुलाई के दौरान; लक्षद्वीप में 25-26 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 26-31 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं से लेकर छिटपुट बारिश की संभावना है।
- ❖ तटीय कर्नाटक और केरल और माहे में 25-31 जुलाई के दौरान; लक्षद्वीप में 27-31 जुलाई के दौरान; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 25 जुलाई को काफी ज़्यादा या व्यापक बारिश की संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में 25-27 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 25-26 जुलाई के दौरान; रायलसीमा में 25-29 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की संभावना है; साथ ही केरल और माहे में 25-27 जुलाई के दौरान; तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 25-29 जुलाई के दौरान; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 27-29 जुलाई के दौरान तेज़ हवाओं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ केरल और माहे में 27-31 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है; तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक और दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक में 25 जुलाई और 28-31 जुलाई के दौरान; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 26-29 जुलाई के दौरान।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 27-29 जुलाई के दौरान तेज़ हवाओं के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) की संभावना है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तटीय कर्नाटक, उत्तरी अंदरूनी कर्नाटक, रायलसीमा, दक्षिणी अंदरूनी कर्नाटक और तेलंगाना में 25-29 जुलाई के दौरान ज़मीन के पास तेज़ हवाएं चलने की संभावना है।

मछुआरों को चेतावनी:

- ❖ अरब सागर: 25 से 30 जुलाई के दौरान सोमालिया और ओमान के तटों के पास और उनसे दूर, पश्चिम-मध्य अरब सागर के ज़्यादातर हिस्सों और पूर्व-मध्य व दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 25 से 27 जुलाई के दौरान उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में और 29 जुलाई को उत्तर अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 25 से 27 जुलाई के दौरान गुजरात और महाराष्ट्र के तटों के पास और उनसे दूर।
- ❖ बंगाल की खाड़ी: 25 से 28 जुलाई के दौरान ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के पास और उनसे दूर, 26 से 28 जुलाई के दौरान उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों के पास और उनसे दूर। 26 से 28 जुलाई के दौरान अंडमान सागर के ऊपर; 25 से 30 जुलाई के दौरान मध्य बंगाल की खाड़ी के ज़्यादातर हिस्सों में, 25 से 28 जुलाई के दौरान उत्तर बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में, 25 से 27 जुलाई के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में और 27 से 30 जुलाई के दौरान दक्षिण बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में।

अगले 4 दिनों के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम की स्थिति और पूर्वानुमान (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

सबसे ज़्यादा बारिश (≥ 7 सेमी) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

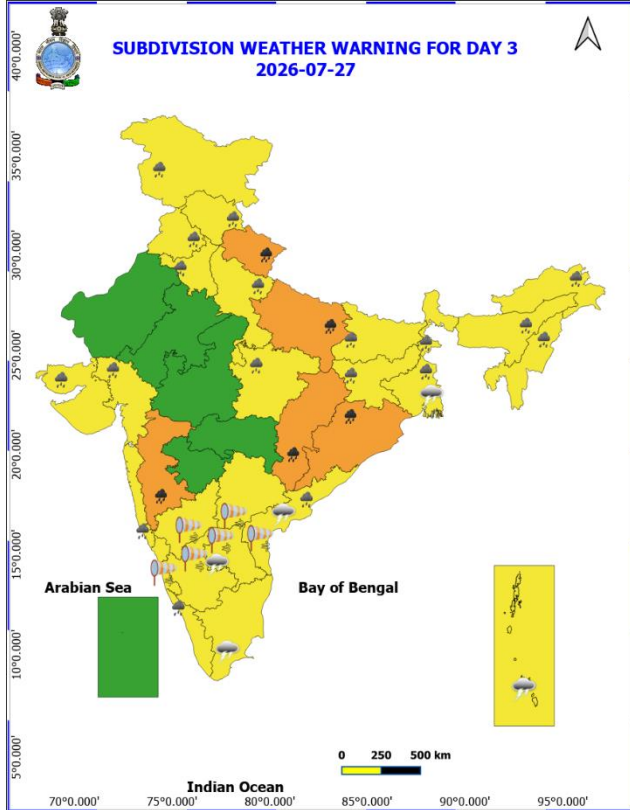
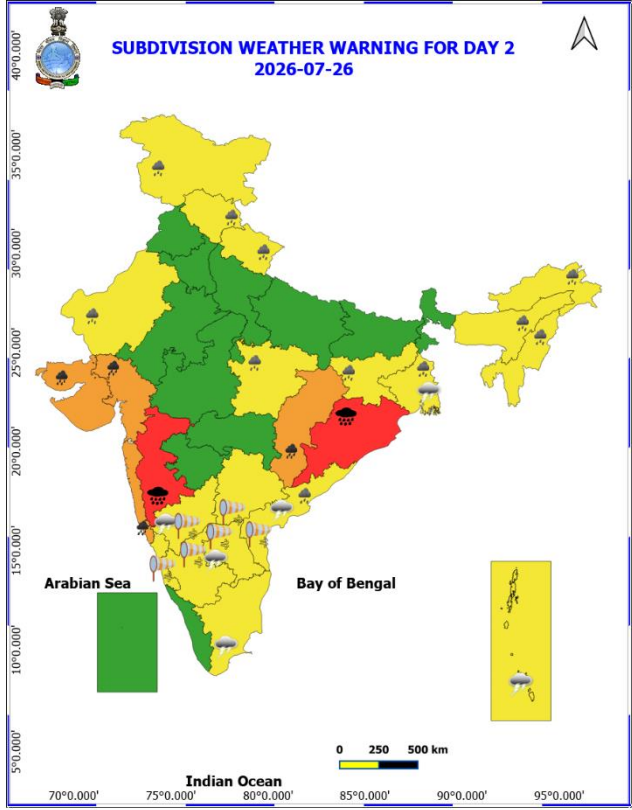
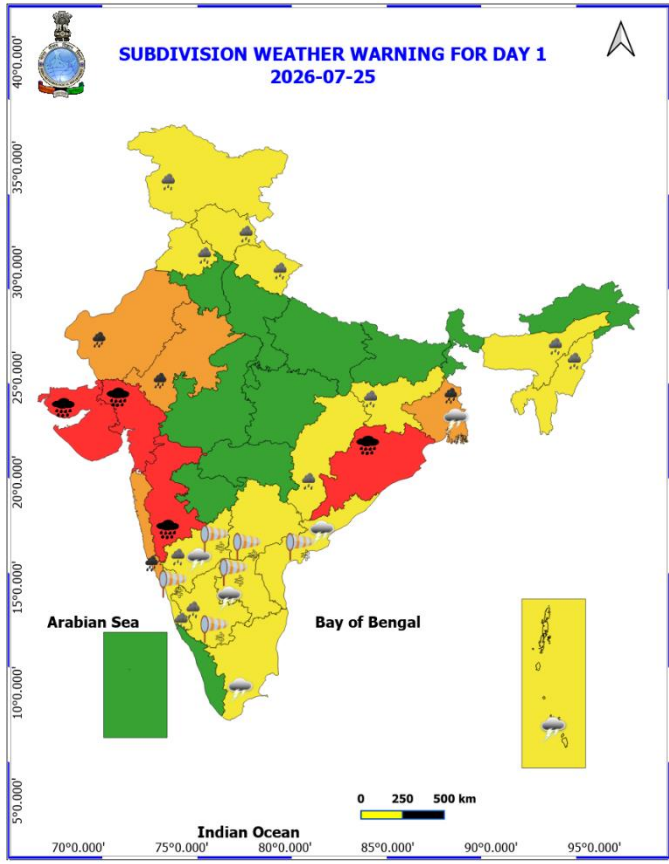
- ❖ गुजरात क्षेत्र: संतलपुर (पाटन) 39
- ❖ सौराष्ट्र और कच्छ: थानगढ़ (सुरेंद्रनगर) 18

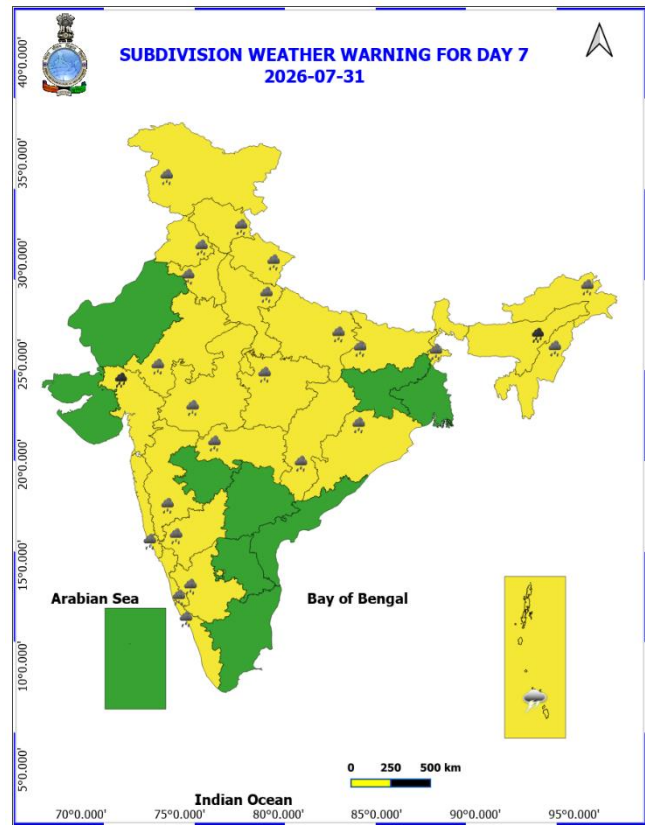
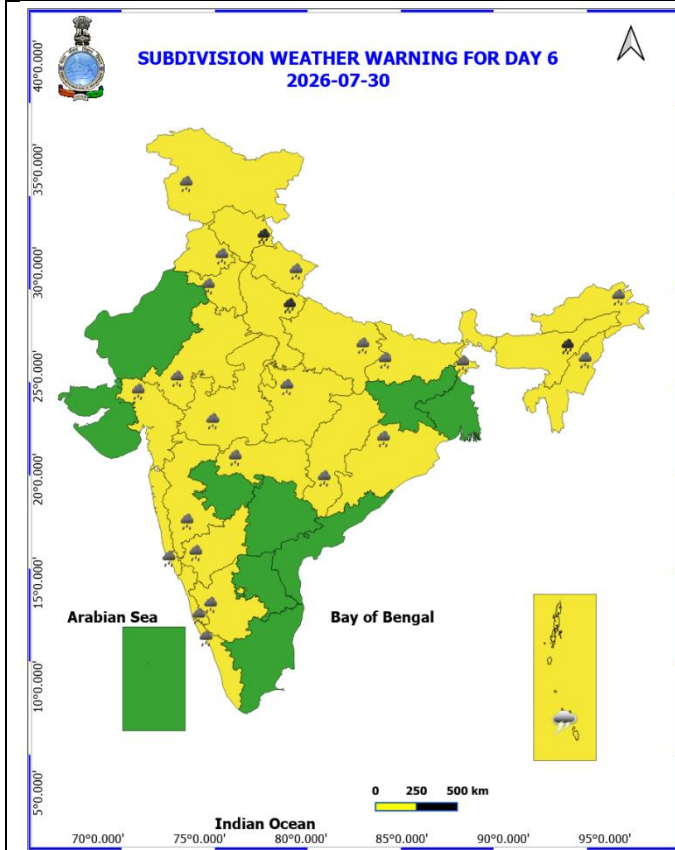
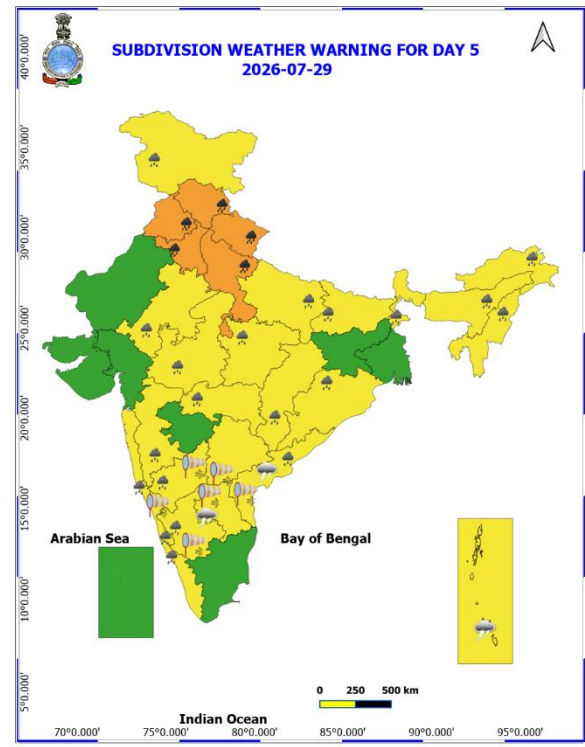
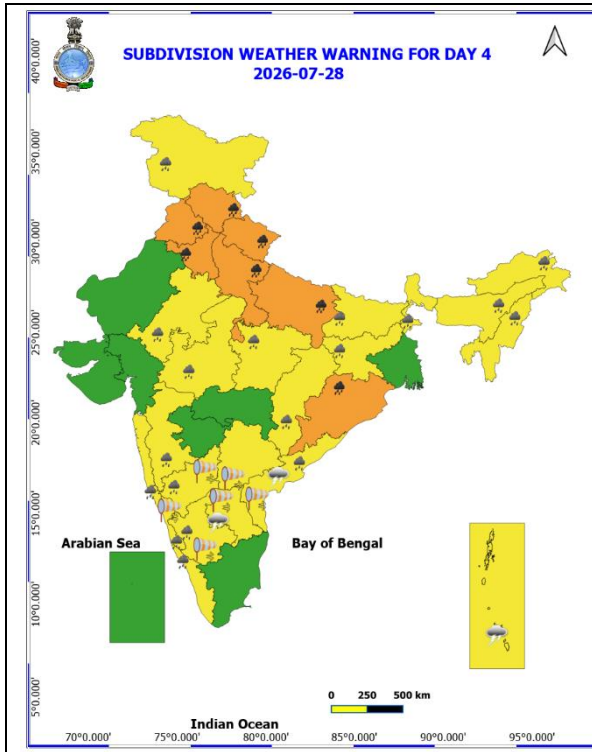
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: सुरगाणा (नासिक) 12
- ❖ कोंकण और गोवा: माथेरान (रायगढ़) 11
- ❖ झारखंड: सिमडेगा 12
- ❖ ओडिशा: सुंदरगढ़ 10
- ❖ उत्तराखंड: जखोली 9
- ❖ गंगीय पश्चिम बंगाल: सागर द्वीप 8
- ❖ हिमाचल प्रदेश: धर्मशाला 8
- ❖ तटीय कर्नाटक: मुदुबिद्रे (जिला दक्षिण कन्नड़) 8
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: अगुम्बे एडब्ल्यूएस (जिला शिवमोगगा) 7।

अनुलग्नक I

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	25- Jul	26- Jul	27- Jul	28- Jul	29- Jul	30- Jul	31- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	SCT	SCT	FWS	WS	WS	WS	WS
6	GANGETIC WEST BENGAL	WS	WS	WS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	FWS	FWS	WS	WS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	FWS	WS	WS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	SCT	FWS	WS	WS	FWS
12	UTTARAKHAND	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	SCT	ISOL	SCT	WS	WS	FWS	FWS
14	PUNJAB	FWS	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS	WS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS
17	WEST RAJASTHAN	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	WS	WS	WS	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	FWS
21	GUJRAT REGION	WS	WS	FWS	SCT	SCT	SCT	FWS
22	SAURASHTRA & KUTCH	WS	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	SCT
23	KONKAN & GOA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	FWS	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

25 जुलाई से 28 जुलाई 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C और न्यूनतम तापमान 24-28°C के बीच रहा। न्यूनतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C), कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5) रहा। अधिकतम तापमान कुछ जगहों पर सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5 से 1.5) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आम तौर पर बादल वाला रहा और ज़मीन पर हवा की रफ्तार 20 किमी/घंटा रही, जो कभी-कभी 40 किमी/घंटा तक पहुँच गई; हवा पूरब दिशा से चली। आज सुबह के समय इस इलाके में आसमान आम तौर पर बादल वाला रहने और पूरब दिशा से 24 किमी/घंटा तक की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

25.07.2026: आसमान आम तौर पर बादल वाला रहेगा। सुबह/दोपहर के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है और साथ ही ज़मीन पर हवा की रफ्तार 20-30 किमी/घंटा रह सकती है। रात में भी बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33-35°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। दोपहर के समय हवा मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से चलने की संभावना है और इसकी रफ्तार 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के समय हवा की रफ्तार कम होकर 18 किमी/घंटा तक रह सकती है और हवा दक्षिण-पूर्व दिशा से चलेगी।

26.07.2026: आसमान आम तौर पर बादल वाला रहेगा। सुबह/दोपहर के समय कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है और साथ ही ज़मीन पर हवा की रफ्तार 20-30 किमी/घंटा रह सकती है। रात के समय फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33°C से 35°C और न्यूनतम तापमान 24°C से 26°C के बीच रहने की संभावना है। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और कुछ जगहों पर यह सामान्य से काफी कम (-3.1°C से -5.0°C) हो सकता है, जबकि दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पूर्व दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 20 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति कम होकर दक्षिण दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और कम होकर दक्षिण दिशा से 15 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

27.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच कुछ जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ ज़मीन के पास हवा की गति 20-30 किमी/घंटा हो सकती है। रात में फिर से बहुत हल्की से हल्की बारिश हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 34°C से 36°C और न्यूनतम तापमान 25°C से 27°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6°C से -3.0°C) रहेगा और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण दिशा से हवा चलने की संभावना है और सुबह के समय हवा की गति 15 किमी/घंटा तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति दक्षिण-पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक बनी रहेगी।

28.07.2026: आमतौर पर आसमान में बादल छाए रहेंगे। सुबह से दोपहर के बीच ज्यादातर जगहों पर एक-दो बार बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश हो सकती है। शाम या रात के समय कई जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश और कुछ जगहों पर मध्यम बारिश होने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 33°C से 35°C और न्यूनतम तापमान 23°C से 25°C के बीच रहने की उम्मीद है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा और

दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान भी सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) के आसपास रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से दक्षिण-पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय ज़मीन के पास हवा की गति कम होकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पूर्व दिशा से 20 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

भारी/बहुत भारी/अत्यधिक बारिश के कारण संभावित असर और सुझाव

- ❖ 25 और 26 तारीख को ओडिशा और मध्य महाराष्ट्र के घाट इलाकों में, और 25 जुलाई को गुजरात राज्य में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ मुख्य रूप से शहरी इलाकों में सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़, निचले इलाकों में जलभराव और अंडरपास बंद होने की स्थिति।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी दृश्यता (visibility) कम हो सकती है।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में यातायात बाधित हो सकता है और यात्रा में अधिक समय लग सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा नुकसान हो सकता है।
- ❖ कमज़ोर ढांचों को नुकसान होने की संभावना है। □ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ का बहाव/ज़मीन धंसने जैसी घटनाएं।
- ❖ पानी भरने के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान।
- ❖ कुछ नदियों के जलग्रहण क्षेत्रों में नदी में बाढ़ आ सकती है (नदी में बाढ़ के बारे में जानकारी के लिए CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए उपाय

- ❖ अपनी मंज़िल के लिए निकलने से पहले रास्ते में ट्रैफ़िक जाम की स्थिति देख लें।
- ❖ इस संबंध में जारी ट्रैफ़िक सलाहों का पालन करें।
- ❖ अक्सर जल-जमाव (पानी भरने) की समस्या वाले इलाकों में जाने से बचें।
- ❖ कमज़ोर या असुरक्षित इमारतों में रहने से बचें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- गुजरात, सौराष्ट्र और कच्छ में, धान, कपास, बाजरा, मक्का, मूंगफली और सब्जियों के खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। निचले इलाकों में मौजूद खेतों से पानी निकालने की सही व्यवस्था करें और जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक पौधे लगाने (ट्रांसप्लांटिंग) और खेत के दूसरे कामों को टाल दें।
- कोंकण में, धान के पौधे (जो पहले ही लगाए जा चुके हैं), हल्दी, मूंगफली, रागी (फिंगर मिलेट), प्रोसो मिलेट, सब्जियों और फलों के बागों से ज्यादा पानी निकाल दें। निचले इलाकों से ज्यादा बारिश का पानी निकालने के लिए सही जल निकासी की व्यवस्था करें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो।
- मध्य महाराष्ट्र में, धान की नर्सरी, खड़ी फसलों और घाट इलाकों में सब्जियों के खेतों से ज्यादा पानी निकाल दें। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- पश्चिमी राजस्थान में, पानी की सही निकासी बनाए रखें और निचले इलाकों में बाजरा, मक्का, कपास और दालों के खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें ताकि कुछ समय के लिए भी जलभराव न हो। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।

- पूर्वी राजस्थान में, लगातार पानी की निकासी बनाए रखें और निचले इलाकों में सोयाबीन, मक्का, मूंगफली, कपास और अरहर के खेतों से ज्यादा बारिश का पानी निकाल दें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- ओडिशा में, धान, मक्का, दालों, तिलहन और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी बनाए रखें और खेतों की नालियों को साफ रखें ताकि लंबे समय तक जलभराव न हो। जब तक खेत की हालत ठीक न हो जाए, तब तक सिंचाई, खाद डालने और पौधों की सुरक्षा से जुड़े कामों को टाल दें।
- गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में, धान की नर्सरी, खड़ी फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें ताकि जलभराव न हो। धान की नर्सरी के चारों ओर मेड़ को मजबूत करें और जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार चाय की पत्तियां और सब्जियां तोड़ लें।
- झारखंड में, खड़ी फसलों वाले खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- जम्मू और कश्मीर में, मक्का, मूंग, उड़द और सब्जियों की बोई गई फसलों वाले खेतों में जलभराव से बचने के लिए पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें।
- हिमाचल प्रदेश में, धान, मक्का, रागी, टमाटर, बैंगन, शिमला मिर्च, मिर्च और खीरे के खेतों और सेब व नाशपाती के बागों में ज्यादा बारिश का पानी जल्दी निकालने के लिए सही जल निकासी बनाए रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ तैयार फल तोड़ लें।
- उत्तराखंड में, धान, उड़द, झंगोरा (बार्नयार्ड मिलेट), रागी, टमाटर और मिर्च के खेतों में लंबे समय तक जलभराव से बचने के लिए पानी की सही निकासी बनाए रखें। □ जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पके हुए टमाटर, फ्रेंच बीन और आलू की कटाई करें और खेत की हालत बेहतर होने तक बुवाई टाल दें।
- पंजाब और हरियाणा में, धान, मक्का, सोयाबीन, अरहर और मूंगफली के खेतों और फलों के बागों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का अच्छा इंतज़ाम रखें। खेत की हालत बेहतर होने तक मूंग की बुवाई टाल दें।
- छत्तीसगढ़ में, फसल के खेतों, नर्सरी और सब्जियों से अतिरिक्त पानी निकालने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, सोयाबीन और रागी के खेतों, बागों और निचले इलाकों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। जहाँ खेत की हालत ठीक हो, वहाँ पकी हुई फसलों की कटाई करें।
- असम में, खेतों में पानी की निकासी के रास्तों को साफ रखें और धान की नर्सरी, जूट, गन्ना, सोयाबीन, अरहर, तिल और सब्जियों के खेतों में लगातार पानी की निकासी बनाए रखें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न हो। तेज़ हवाओं से बचाने के लिए केले, सब्जियों और दूसरी कमज़ोर फसलों को सहारा दें।
- मेघालय में, धान की नर्सरी और मक्का, लोबिया, भिंडी और अदरक के खेतों में लंबे समय तक पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम रखें। नर्सरी की मेड़ों को मजबूत करें और पानी की निकासी के रास्तों में कोई रुकावट न आने दें।
- नागालैंड, मणिपुर, मिज़ोरम और त्रिपुरा में, सोयाबीन, उड़द, अदरक, हल्दी, गोभी-वर्गीय फसलों और सब्जियों के खेतों में पानी जमा होने से बचाने के लिए पानी की निकासी का सही इंतज़ाम करें।
- तटीय कर्नाटक में, खेतों में पानी की निकासी के रास्तों को साफ रखें और धान के खेतों, बागों और सब्जियों के खेतों में लगातार पानी की निकासी बनाए रखें ताकि लंबे समय तक पानी जमा न हो।

तूफ़ान / तेज़ हवाओं के संभावित असर के लिए एग्रोमेट सलाह

- कटी हुई फ़सल को सुरक्षित जगहों पर ले जाएँ या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। तेज़ ज़मीनी हवाओं से फ़सल के उड़ने या बिखरने के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फ़सल को मजबूती से बाँधें और ढककर रखें।
- तेज़ हवाओं के कारण फ़सल के गिरने से बचाने के लिए बागवानी फ़सलों को यांत्रिक सहारा दें और सब्जियों व छोटे या फल देने वाले पौधों को स्टैकिंग (डंडे का सहारा) या अन्य सहारा दें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।

- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

आकस्मिक बाढ़ की चेतावनी

26-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ वॉटरशेड और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

सौराष्ट्र और कच्छ - देवभूमि द्वारका, पोरबंदर, जामनगर, जूनागढ़, राजकोट, मोरबी और कच्छ जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जलभराव (inundation) की स्थिति बन सकती है।

26-07-2026 को 11:30 IST तक अचानक बाढ़ (Flash Flood) के जोखिम (FFR) के लिए 24 घंटे का पूर्वानुमान:

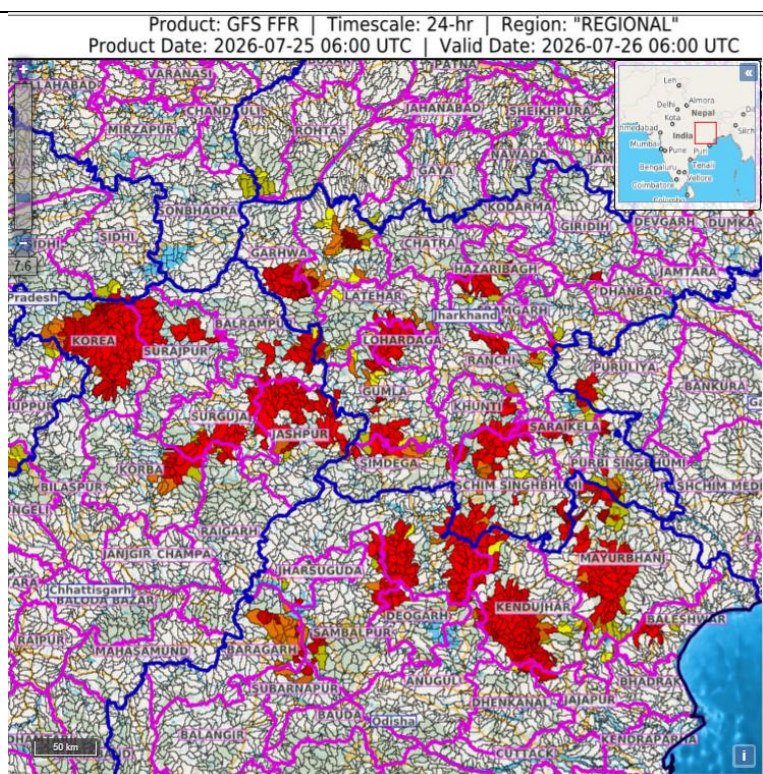
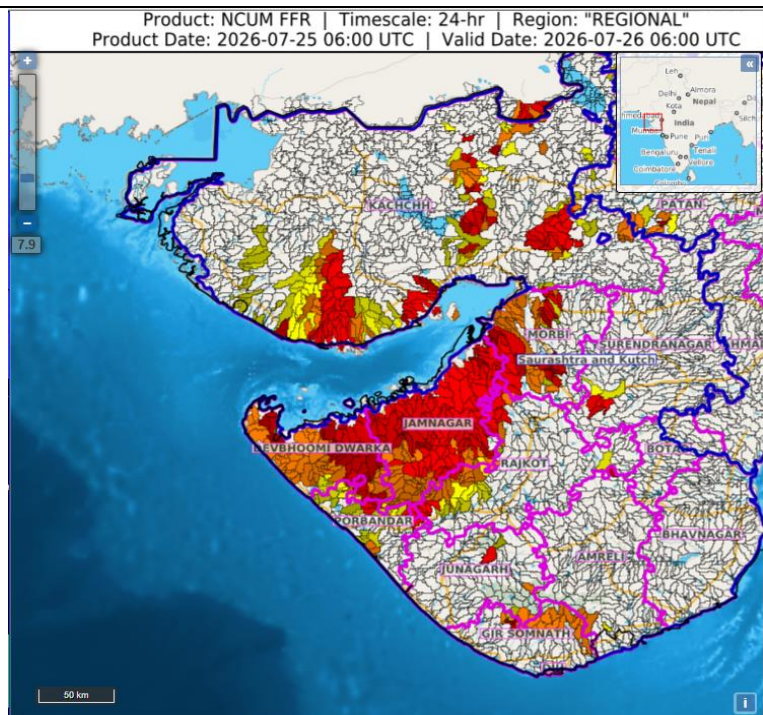
अगले 24 घंटों के दौरान नीचे बताए गए मौसम संबंधी उप-क्षेत्रों (Met Sub-divisions) के कुछ जल-ग्रहण क्षेत्रों (watersheds) और आस-पास के इलाकों में अचानक बाढ़ का जोखिम कम से मध्यम रहने की संभावना है।

झारखंड - पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला, खूंटी, सिमडेगा, गुमला, रांची, लोहरदगा जिले।

ओडिशा - बालेश्वर, मयूरभंज, क्यौंझर, सुंदरगढ़, झारसुगुडा, बरगढ़ जिले।

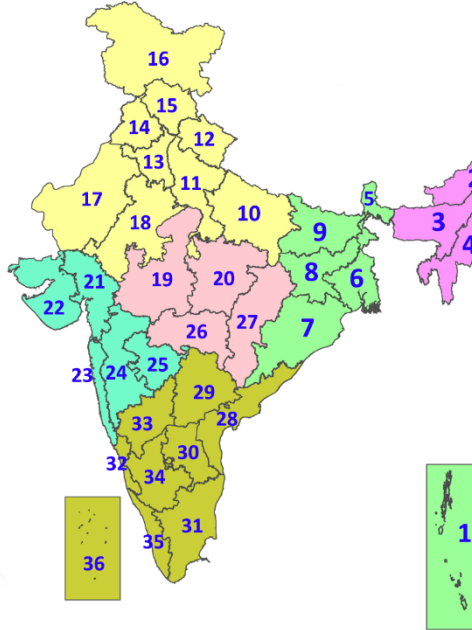
छत्तीसगढ़ - जशपुर, बलरामपुर, सरगुजा, कोरबा, लोरमी, सूरजपुर जिले।

अगले 24 घंटों में होने वाली संभावित बारिश के कारण, नक्शे में दिखाए गए 'चिंता वाले क्षेत्रों' (AoC) में पूरी तरह से पानी से भरी मिट्टी (saturated soils) और निचले इलाकों में सतह पर पानी बहने (surface runoff) या जल-जमाव (inundation) की स्थिति बन सकती है।



LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसीमा
31. तमिलनाडु, पुदुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Rain



Very Heavy Rain



Extremely Heavy Rain



Thunder & Lightning



Hailstorm



Dust Raising Winds



Heavy Snow



Dust Storm



Heat Wave



Warm Night



Hot Day



Hot & Humid



Strong Surface Winds



Cold Wave



Cold Day



Ground Frost

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm *
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ \text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ \text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ \text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ \text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ \text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ \text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ \text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ \text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ \text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ \text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ \text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ \text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ \text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ \text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ \text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ \text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)